आदेश पत्रक

2024/350

(नियम 13)

(General (Civil), Rule 103, Appendix 'B', Form No. 9)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, उदयपुरवाटी नीमकाथाना (राज.)

हनुमान प्रसाद **बनाम** तहसीलदार

किस्म मुकदमा दावा घोषणार्थ डिक्री दुरुस्ती व स्थायी निषेधाज्ञा नम्बर 134/2024 सन्

आदेश	कार्यवाही विवरण	अनुपालना के क्रमांक व दिनांक
5.11.24	दावा वादी जरिये वकील पेश किया गया। दावा दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादीगण को सम्मन जारी हो। पत्रावली वास्ते तलबी हेतु दिनांक 16.12.24 को पेश हों। उपखण्ड अधिकारी उदयपुरवाटी (नीमकाथाना) 16/12/24 पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी महोदय दौरे राजकार्य नेशनल पर हैं। अतः पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही दिनांक 20-2-25 को पेश हो 20/2/25 पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी महोदय दौरे.....................पर हैं। अतः पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही दिनांक 25/4/25 को पेश हो 25/4/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी/प्रार्थी उपस्थित नहीं। न्यायालय का समय पूर्ण होने तक बार-बार आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज लगाने के बाद भी वकील वादी/प्रार्थी उपस्थित नहीं। अतः प्रकरण को इसी स्तर पर अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार [illegible]	

२२४/३४९

आदेश पत्रक

(नियम 13)

(General (Civil), Rule 103, Appendix 'B', Form No. 9)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, उदयपुरवाटी नीमकाथाना (राज.)

हनुमान प्रसाद **बनाम** तहसीलदार

किस्म मुकदमा प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा नम्बर 85/2024 सन्

आदेश	कार्यवाही विवरण	अनुपालना के क्रमांक व दिनांक
5.11.24	प्रार्थना पत्र प्रार्थी जरिये वकील पेश किया गया। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर हो। अप्रार्थी तहसीलदार को नोटिस जारी हो एवं मौके की रिपोर्ट हेतु तहरीर जारी हो। पत्रावली वास्ते तलबी एवं इन्तजार मौका रिपोर्ट हेतु दिनांक 16.12.24 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी उदयपुरवाटी (नीमकाथाना) 16/12/24 पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी महोदय बौरे राजकार्य में व्यस्त पर हैं। अतः पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही दिनांक 20.2.25 को पेश हो। 20/2 पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी महोदय बौरे....................पर हैं। अतः पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही दिनांक 25.2.25 को पेश हो 25/2/25 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी/प्रार्थी उपस्थित नहीं। न्यायालय का समय पूर्ण होने तक बार-बार आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज लगाने के बाद भी वकील वादी/प्रार्थी उपस्थित नहीं। अतः प्रकरण को इसी स्तर पर अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार	893 / 5-11-24